



हिन्दी पखवाड़े का समापन समारोह 2026

29.09.2026



भा.वा.अ.शि.प - वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबतूर

भा.वा.अ.शि.प - वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबतूर में 29 सितम्बर 2026 को हिन्दी पखवाड़े का समापन समारोह आयोजित किया गया। हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु 15-28 सितंबर तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। इसके दौरान हिन्दी प्रश्नोत्तरी, हिन्दी अनुवाद, हिन्दी शब्दों का व्यवस्थिकरण और चित्र आधारित कहानी लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस समारोह में सभी कर्मचारियों ने हर्षोल्लास से भाग लिया। इस अवसर पर डॉ.वी. नागनादन, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं निदेशक, तमिलनाडु वन अकादमी, कोयंबतूर मुख्य अतिथि थे। इस कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सर्वप्रथम राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य श्रीमती आर.जी.अनीता, तकनीकी अधिकारी ने निदेशक, मुख्य अथिति एवं सभा में उपस्थित सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों और कर्मचारियों का हार्दिक स्वागत किया। इसके उपरान्त श्री लक्ष्मण सिंह राठौर, अनुभाग अधिकारी ने सभी के समक्ष वर्ष 2025-26 की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट पेश की।

श्री त.रबी कुमार, भा.व.से, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प - वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबतूर ने अपने भाषण में संस्थान के द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन में की गई प्रगति के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी सदस्यों को बधाई दी और अपने अनुभव द्वारा जीवन में भाषा के महत्व को विस्तार से बताया। हिन्दी हमारी राजभाषा है इसलिए सभी को हिन्दी सीखने का प्रयास करना चाहिए। हमारी फाइलों, पत्रों आदि में अधिक से अधिक हिन्दी का प्रयोग करने का प्रयास करना चाहिए। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बधाईयाँ दी और कहा कि इसी तरह राजभाषा से संबन्धित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर उसके प्रचार-प्रसार में अपना योगदान देते रहे।

मुख्य अथिति डॉ.वी. नागनादन, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं निदेशक, तमिलनाडु वन अकादमी, कोयंबतूर ने विजेताओं को प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित किया। हिन्दी पखवाड़े के दौरान हिन्दी टैलेंट शो (Talent show) आयोजित किया गया था जिसमें अनेक कर्मचारियों ने हिन्दी में गीत, कविता एवं भाषण देकर अपनी प्रतिभा व्यक्त की। उन सभी को भी प्रमाणपत्र दिया गया। पुरस्कार वितरण के बाद मुख्य अथिति ने अपने भाषण में संस्थान के द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन में की गई प्रगति के लिए सभी को बधाई दी और कहा कि भाषा एक संचार

का माध्यम है जिसके द्वारा हम विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। अगली पीढ़ी को मजबूत करने के लिए संचार कौशल को बढ़ाना चाहिए। भाषा चाहे कोई भी हो, हिन्दी, तमिल या अन्य कोई भाषा लेकिन अपने विचारों के आदान-प्रदान के लिए भाषा का बहुत महत्व है। चूंकि हिन्दी हमारी राजभाषा है इसलिए हमें हिन्दी सीखने का प्रयास करना चाहिए।

अंत में श्रीमती पूंगोदै कृष्णन, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने धन्यवाद प्रस्ताव किया और राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

हिन्दी पखवाड़ा समारोह की कुछ झलकियां



